

#### असाधारण

### **EXTRAORDINARY**

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii) प्राधिकार से प्रकाशित

#### PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1208]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 11, 2015/ज्येष्ठ 21, 1937

No. 12081

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 11, 2015/JYAISTHA 21, 1937

# गृह मंत्रालय

# अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 जून, 2015

का.आ.1537(अ).—केंद्रीय सरकार द्वारा किर्गीज गणराज्य में किसी व्यक्ति पर आपराधिक मामलों के संबंध में, समन की तामील या वारंट का निष्पादन के लिए ठहराव किया गया है;

अत: केंद्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 105 की उपधारा (1) के खंड (ii) के अनुसरण में यह विनिर्दिष्ट करती है कि –

- (क) किसी अभियुक्त व्यक्ति को समन, या
- (ख) किसी व्यक्ति को उसे हाजिर होने और दस्तावेजों या अन्य चीज को प्रस्तुत करने या उसे हाजिर करने के लिए समन, या
- (ग) तलाशी वारंट

भारत में किसी न्यायालय द्वारा दो प्रतियों में किर्गीज गणराज्य में तत्समय प्रवृत्त विधि के अधीन अधिकारिता रखने वाले उस देश के किसी न्यायालय, न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट को केंद्रीय प्राधिकारी द्वारा अर्थात् किर्गीज गणराज्य में सरकार के महाअभियोजक कार्यालय से उसमें नामित व्यक्ति पर ऐसे समन की तामील या ऐसे वारंट के निष्पादन के लिए जारी किया जा सकेगा।

2. केंद्रीय सरकार यह और निदेश देती है कि ऐसा समन या वारंट किर्गीज सरकार के केंद्रीय प्राधिकारी अर्थात् महाअभियोजक कार्यालय को पारेषित करने के लिए आई एस-2 खंड गृह मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली को भेजा जाएगा।

[फा. सं. 12015/1/2014-पीपी-3/आई सी-3]

गोपाल कृष्ण दिवेदी, संयुक्त सचिव

2575 GI/2015 (1)

### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 8th June, 2015

**S.O. 1537(E).**—Whereas arrangements have been made by the Central Government with the Government of Kyrgyz Republic for service or execution of summons or warrant in relation to criminal matters, on any person in Kyrgyz Republic;

Now, therefore, in pursuance of clause (ii) of sub-section (1) of section 105 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby specifies that –

- (a) a summons to an accused person, or
- (b) a summons to any person requiring him to attend and produce documents or other thing, or to produce it, or
  - (c) a search-warrant

may be issued by a Court in India in duplicate, to the Court, Judge or Magistrate in Kyrgyz Republic, having authority under the law for the time being in force in that country, through the Central Authority, that is, the General Prosecutor's Office of the Government of Kyrgyz Republic to serve such summons or execute such warrant on the person named therein.

2. The Central Government further directs that such summons or warrant shall be sent to the IS-II Division of the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi, for transmission to the Central Authority, that is, the General Prosecutor's Office of the Government of Kyrgyz Republic.

[F. No. 12015/1/2014-PP-III/IC-III]

GOPAL KRISHNA DWIVEDI, Jt. Secy.

# अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 जून, 2015

का.आ.1538(अ).- केंद्रीय सरकार द्वारा किर्गीज गणराज्य की सरकार के साथ किर्गीज गणराज्य में किसी व्यक्ति पर आपराधिक मामलों के संबंध में, समन की तामील या वारंट का निष्पादन के लिए ठहराव किया गया है;

अत: केंद्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 105 की उपधारा (2) के अनुसरण में यह विनिर्दिष्ट करती है कि जब भारत का कोई न्यायालय किसी ऐसे समन या तलाशी वारंट का निष्पादन करता है जो किर्गीज गणराज्य में तत्समय प्रवृत्त विधि के अधीन अधिकारिता रखने वाले किसी न्यायालय, न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट से अभिप्राप्त हुआ है तो ऐसे मामलों में प्रस्तुत दस्तावेजों या चीजों या तलाशी में पाई गई वस्तुओं को ऐसे समन या तलाशी वारंट जारी करने वाले न्यायालय को पारेषित करने के लिए आई एस-2 खंड गृह मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली को भेजा जाएगा।

[फा. सं.12015/1/2014-पीपी-3/आई सी-3]

गोपाल कृष्ण दिवेदी, संयुक्त सचिव

### **NOTIFICATION**

New Delhi, the 8th June, 2015

**S.O.1538** (E).—Whereas arrangements have been made by the Central Government with the Government of Kyrgyz Republic for services or execution of summons or warrant in relation to criminal matters on any person in Kyrgyz Republic;

Now, therefore, in pursuance of the proviso to sub-section (2) of section 105 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby specifies that in case where a Court in India executes any summons or search warrant received from a court, Judge or Magistrate in Kyrgyz Republic, having authority under the law for the time being in force in that country, the documents or things produced or things found in search shall be forwarded to the court issuing such summons or search warrant through IS-II Division of the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi.

[F. No. 12015/1/2014-PP-III/IC-III]

GOPAL KRISHNA DWIVEDI, Jt. Secy.

# अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 जून, 2015

का.आ.1539(अ).—केंद्रीय सरकार द्वारा किर्गीज गणराज्य की सरकार के साथ किर्गीज गणराज्य में किसी व्यक्ति पर आपराधिक मामलों के संबंध में, समन की तामील या वारंट का निष्पादन करने के लिए ठहराव किया गया है;

अत: केंद्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 105 की उपधारा (2) के अनुसरण में यह विनिर्दिष्ट करती है कि किसी आपराधिक मामले में किसी अन्वेषण या जांच के अनुक्रम में किगींज गणराज्य में इसमें उपाबद्ध प्ररुप में किसी स्थान पर समन किया जाएगा या निष्पादित किया जाएगा और ऐसे समन को केंद्रीय प्राधिकारी को अर्थात् किगींज आई एस-2 खंड गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली गणराज्य की सरकार के महाअभियोजक कार्यालय को पारेषित किए जाने के लिए भेजा जाएगा।

## प्ररुप साक्षियों को समन

(दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 105ख की उपधारा (2) को देखिए)

`	~·	
संवा	H	
VI -II		

न्यायालय या न्यायाधीश /मजिस्ट्रेट किर्गीज गणराज्य ...... (द्वारा केंद्रीय प्राधिकारी अर्थात् किर्गीज गणराज्य के सरकार के महाअभियोजक के कार्यालय)

मेरे समक्ष यह आवेदन किया गया है कि (अभियुक्त का नाम) (पता) (या जो उस बात के लिए संदिग्ध है) ने अपराध (समय और स्थल के साथ अपराध का संक्षिप्त विवरण) कारित किया है और मुझे यह प्रतीत होता है कि आप अभियोजन के लिए तात्विक साक्षय दे सकते हैं या कोई दस्तावेज या अन्य चीज प्रस्तुत कर सकते हैं, इसलिए आप ऐसे दस्तावेजों या चीज को प्रस्तुत करने के लिए या इसका साक्ष्य देने के लिए कि आप उक्त आवेदन के विषय के बारे में क्या जानते हैं। न्यायालय के समक्ष................................दिन को .........................पात:/अपराहन में हाजिर हों, और उसके पश्चात् न्यायालय के आदेश के बिना न जाएं और आपको इसके द्वारा यह चेतावनी दी जाती है कि यदि आप उक्त तारीख को न्यायसंगत हेतुक के बिना हाजिर होने से उपेक्षा करेंगे या उससे इंकार करेंगे, तो आपको हाजिर होने से बाध्य करने के लिए एक वारंट जारी किया जाएगा।

यह मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख......20...... को प्रदत्त किया गया है

न्यायालय की मुद्रा

न्यायालय /मजिस्ट्रेट के हस्ताक्षर

[फा. सं. 12015/1/2014-पीपी-3/आई सी-3]

गोपाल कृष्ण दिवेदी, संयुक्त सचिव

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 8th June, 2015

**S.O. 1539** (E).—Whereas arrangements have been made by the Central Government with the Government of Kyrgyz Republic, for services or execution of summons or warrant in relation to criminal matters on any person in Kyrgyz Republic;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (2) of section 105B of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby specifies that a summons for attendance of a person in the course of an investigation or inquiry in any criminal case, to be served or executed in any place in Kyrgyz Republic, shall be issued in the form annexed hereto, and such summons shall be sent to IS-II Division of the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi, for transmission to the Central Authority, that is, the General Prosecutor's Office of the Government of Kyrgyz Republic.

### **FORM**

### SUMMONS TO WITNESS

[See sub-section (2) of section 105B of the Code of Criminal Procedure, 1973]

То
The Court or Judge/Magistrate in Kyrgyz Republic
(Through the Central Authority, that is, the General Prosecutor's Office of the Government of Kyrgyz Republic)
Whereas an application has been made before me that (Name of the accused) of (address) has (or is suspected to have) committed the offence of (state the offence concisely with time and place) and it appears to me that you are likely to give material evidence or to produce any document or other thing for the prosecution;
You are hereby summoned to appear before the Court on theday ofatA.M./P.M. to produce such document or thing or to testify what you know concerning the matter of the said application, and not to depart then without the order of the Court, and you are hereby warned that, if you shall without just cause neglect or refuse to appear on the said date, a warrant will be issued to compel your attendance.
Given under my hand and the seal of the Court thisday of20
Seal of the Court.
Signature of the
Judge/Magistrate
[F. No. 12015/1/2014-PP-III/IC-III]
GOPAL KRISHNA DWIVEDI, Jt. Secy.
अधिसूचना
नई दिल्ली, 8 जून, 2015
का.आ. 1540(अ) केंद्रीय सरकार द्वारा किर्गीज गणराज्य की सरकार के साथ भारत के न्यायालयों में आपराधिक मामलों के संबंध में किर्गीज गणराज्य में निवास कर रहे साक्षियों का साक्ष्य लेने के लिए ठहराव किया है; अत: केंद्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 285 की उपधारा (3) के अनुसरण में यह विनिर्दिष्ट करती है कि -
(क) किर्गीज गणराज्य में साक्षियों की परीक्षा के लिए कमीशन भारत के न्यायालयों द्वारा इससे उपाबद्ध प्ररुप में, किर्गीज गणराज्य के किसी सक्षम दंड न्यायालय को जिसे किर्गीज गणराज्य में तत्समय प्रवृत्त विधि के अधीन प्राधिकार प्राप्त है, जारी किया जाएगा; और
(ख) ऐसा कमीशन किर्गीज गणराज्य सरकार में केंद्रीय प्राधिकारी अर्थात् किर्गीज गणराज्य की सरकार के महाअभियोजक के कार्याल्य द्वारा पदाभिहित किसी व्यक्ति का पारेषित किए जाने के लिए गृह मंत्रालय (आई एस-2 खंड), भारत सरकार, नई दिल्ली को भेजा जाएगा ।
प्ररुप
भारत से बाहर साक्षियों की परीक्षा के लिए कमीशन
(दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 285 की उपधारा (3) देखिए)
सेवा में
न्यायालय

मुझे यह प्रतीत होता है कि मामला संख्या ......बनाम. .....वनाम. न्यायालय...... में...... में...... का न्याय के उद्देश्य के लिए साक्ष्य आवश्यक है और ऐसा साक्षी आपकी स्थानीय अधिकारिता की सीमाओं के भीतर निवास कर रहा है/रही है, और उसकी हाजिरी

[भाग II-खण्ड 3(ii)] भारत का राजपत्र : असाधारण

को अयुक्तियुक्त विलंब, व्यय या असुविधा के बिना उपाप्त नहीं किया जा सकता है, मैं इसके द्वारा यह अनुरोध करता हूं कि आप उपरोक्त कारणों से और उक्त न्यायालय की सहायता के लिए उक्त साक्षी का ऐसे समय और स्थान पर जो आप नियत करें, हाजिर होने के लिए समन करें और ऐसे साक्षियों की परीक्षा उन परिप्रश्नों (मौखिक परीक्षा के लिए) के आधार पर करवाएं जो इस कमीशन के साथ भेजे जा रहे हैं;

कार्यवाही का कोई पक्षकार आपके समक्ष अपने काउंसेल या अभिकर्ता द्वारा या यदि अभिरक्षा में नहीं है तो स्वयं हाजिर हो सकेगा और उक्त साक्षी की (यथास्थिति) परीक्षा, प्रतिपरीक्षा या पुन:परीक्षा कर सकेगा;

और, मैं, आपसे यह अनुरोध करता हूं कि आप उक्त साक्षी के उत्तर लेखबद्ध करवाएं और उन सभी बहियों, पत्रों, कागजों और दस्तावेजों को पहचान के लिए सम्यक रूप से चिन्हित कराएं जो ऐसी परीक्षा के दौरान पेश किए जाएं, और आपसे यह भी अनुरोध करता हूं कि आप ऐसी परीक्षा को अपनी सरकारी मुद्रा और अपने हस्ताक्षर द्वारा अधिप्रमाणित करें और उसे इस कमीशन के साथ अद्योहस्ताक्षरी को गृह मंत्रालय (आई एस-2 खंड), भारत सरकार, नई दिल्ली के द्वारा भेजें।

यह मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख...........20...... को प्रदत्त किया गया।

न्यायालय की मुद्रा

न्यायालय/मजिस्ट्रेट के हस्ताक्षर

[फा. सं.12015/1/2014-पीपी-3/आई सी-3]

गोपाल कृष्ण दिवेदी, संयुक्त सचिव

#### **NOTIFICATION**

New Delhi, the 8th June, 2015

**S.O.1540(E).**—Whereas arrangements have been made by the Central Government with the Government of Kyrgyz Republic for taking the evidence of witnesses residing in Kyrgyz Republic in relation to criminal matters in Courts in India;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (3) of section 285 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby specifies that -

- (a) commission for examination of witnesses in Kyrgyz Republic shall be issued by the Courts in India in the form annexed hereto, to any competent criminal court of Kyrgyz Republic having authority under the law for the time being in force in Kyrgyz Republic; and
- (b) such Commission shall be sent to IS-II Division of the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi for transmission to the Central Authority, that is, the General Prosecutor's Office of the Government of Kyrgyz Republic.

#### **FORM**

#### COMMISSION TO EXAMINE WITNESS OUTSIDE INDIA

[See sub-section (3) of section 285 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974)]

IN THE COURT OF-----

То	
	(Through the Government of India, Ministry of Home Affairs,
	New Delhi.)
	Whereas it appears to me that the evidence of is necessary for the ends of justice in case
No	in the Court of vs and that such witness is

Any party to the proceeding may appear before you by his/her Counsel or agent or, if not in custody, in person, and may examine, cross-examine or re-examine (as the case may be) the said witness;

And, I, further have the honour to request that you will be pleased to cause the answers of the said witness to be reduced into writing and all books, letters, papers and documents produced upon such examination to be duly marked for identification and that you will be further pleased to authenticate such examination by your official seal and signature and to return the same together with this Commission to the undersigned through IS II Division of the Government of India, Ministry of Home Affairs, New Delhi.

Given under my hand and the seal of the Court this------day of------day of------

Seal of the Court Signature of the

Judge/Magistrate

[F. No. 12015/1/2014-PP-III/IC-III] GOPAL KRISHNA DWIVEDI, Jt. Secy.

# अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 जून, 2015

का.आ. 1541(अ).- केंद्रीय सरकार द्वारा किर्गीज गणराज्य की सरकार के साथ किर्गीज गणराज्य में किसी व्यक्ति पर आपराधिक मामलों के संबंध में, समन की तामील या वारंट का निष्पादन के लिए ठहराव किया गया है:

अत: केंद्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 290 की उपधारा (2) के खंड (ख) के अनुसरण में किर्गीज गणराज्य में अधिकारिता का प्रयोग करने वाले ऐसे सभी न्यायालयों, न्यायाधीशों या मजिस्ट्रेटों को जिन्हें किर्गीज गणराज्य में तत्समय प्रवृत्त विधि के अधीन प्राधिकार प्राप्त हैं, ऐसे न्यायालयों के रूप में विनिर्दिष्ट करती है, जिनके द्वारा भारत में निवास कर रहे साक्षियों की परीक्षा के लिए कमीशन जारी किया जा सकेगा।

[फा.सं. 12015/1/2014-पीपी-3/आई सी-3]

गोपाल कृष्ण दिवेदी, संयुक्त सचिव

#### **NOTIFICATION**

New Delhi, the 8th June, 2015

**S.O. 1541(E).**—Whereas arrangements have been made by the Central Government with the Government of Kyrgyz Republic for service or execution of summons or warrant in relation to criminal matters on any person in Kyrgyz Republic;

Now, therefore, in pursuance of clause (b) of sub-section (2) of section 290 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby specifies all Courts, Judges or Magistrates exercising jurisdiction in Kyrgyz Republic having authority under the law in force in Kyrgyz Republic as the Courts by which the Commission for the examination of witnesses residing in India may be issued.

[F.No.12015/1/2014-PP-III/IC-III]

GOPAL KRISHNA DWIVEDI, Jt. Secy.

# अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 जून, 2015

का.आ. 1542(अ).— केंद्रीय सरकार ने किर्गीज गणराज्य की सरकार के साथ किर्गीज गणराज्य में किसी व्यक्ति पर आपराधिक मामलों के संबंध में, समन की तामील या वारंट का निष्पादन के लिए ठहराव किया गया है;

अत: केंद्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 105ठ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त संहिता के अध्याय 7क के उपबंध किर्गीज गणराज्य के संबंध में बिना किसी शर्त, अपवाद या प्रतिबंध के इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

[फा. सं. 12015/1/2014-पीपी-3/आई सी-3]

गोपाल कृष्ण दिवेदी, संयुक्त सचिव

### **NOTIFICATION**

New Delhi, the 8th June, 2015

**S.O. 1542(E).**—Whereas arrangements have been made by the Central Government with the Government of Kyrgyz Republic for service or execution of summons or warrant in relation to criminal matters on any person in Kyrgyz Republic;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 105L of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby directs that the provisions of Chapter VIIA of the said Code shall apply without any condition, exception or qualification in relation to Kyrgyz Republic with effect from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[F. No.12015/1/2014-PP-III/IC-III] GOPAL KRISHNA DWIVEDI, Jt. Secy.